Roll No. ..... Total Pages : 7

4385

M.A. (Previous) Examination, 2015

HINDI LITERATURE
Paper–V
(कथा साहित्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A (खण्ड–अ) [Marks : 20]

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B (खण्ड–ब) [Marks : 50]

Answer *five* questions (250 words each), Selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C (खण्ड–स) [Marks : 30]

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई–I

1. (क) 'कफ़न' कहानी में प्रेमचंद ने मुख्यत: किस चिन्ता को व्यक्त किया है?

(ख) 'पंच परमेश्वर' का कौन-सा रूप कहानी में व्यक्त हुआ है?

इकाई–II

(ग) 'गोदान' का मुख्य केन्द्र बिन्दु बताएं।

(घ) उपन्यास का अंत किस तरह 'गोदान' पर प्रश्नचिह्न लगाता है?

इकाई–III

(ङ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का मुख्य प्रतिपाद्य बताएं।

(च) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में अंकित बाणभट्ट का परिचय दें।

इकाई–IV

(छ) 'शेखर एक जीवनी' में अन्तर्निहित वेदना बताएं।

(ज) 'स्वामी' उपन्यास से शरत्चन्द्र और मन्नू भण्डारी का क्या सम्बन्ध है?

इकाई–V

(झ) हिन्दी कहानी का प्रारंभिक स्वरूप किस तरह का था?

(ञ) प्रेमचंद युगीन उपन्यास लेखन की प्रमुख प्रवृत्ति (एक) लिखें।

खण्ड–ब

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न चुनते हुए कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई–I

2. सन्दर्भ सहित व्याख्या करें:

जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना चाहते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा होना कोई अचरज की बात न थी।..... उसे तसकीन तो थी ही कि अगर वह फटेहाल है

तो कम-से-कम उसे किसानों की सी जी-तोड़ मेहनत तो नहीं करनी पड़ती। और उसकी सरलता और निरीहता से दूसरे लोग फायदा तो नहीं उठाते।

3. जो निर्धन होते हैं वे बचपन से ही ठुकते-पिटते हैं, केवल घर में ही नहीं, सर्वत्र, सबसे। सारा संसार ही उनके लिए एक शिक्षणालय हो जाता है, जहाँ नीरस हृदयहीनता से उन्हें शिक्षा दी जाती है और जो कुछ अधिक सम्पन्न होते हैं उन्हें एकाएक इस भांति शिक्षित नहीं किया जाता है, उनकी शिक्षा का आरंभ घर में या स्कूल में होता है और संसारवाली शिक्षा का समय जहाँ तक हो सकता है, स्थगित किया जाता है।

इकाई–II

4. कौन कहता है कि हम-तुम आदमी हैं। इसमें आदमियत कहाँ? आदमी वह है, जिसके पास धन है, अख्तियार है, इलम है। हम लोग तो बैल हैं और जुतने के लिए पैदा हुए हैं। उस पर एक-दूसरे को देख नहीं सकता। रकाका नाम नहीं। एक किसान दूसरे के खेत पर न चढ़े तो कोई जाफा कैसे करे, प्रेम तो संसार से उठ गया।

5. मिनी एकटक नरेन्द्र के चेहरे को देखती रही– अपमान और ईर्ष्या में मलिन हो आया चेहरा और तभी उसके सामने घनश्याम का चेहरा घूम गया – निर्मल, निर्विकार। मन में कहीं मामा के शब्द तैर गए ..... निभा घनश्याम ही सकेगा। उसने बड़ी दृढ़ता से कहा– नरेन जिस व्यक्ति ने इस सबको सहकर भी अपने को अपमानित महसूस नहीं किया वह इस बात को कहने वाले को कभी अपमानित नहीं

करेगा?..... सामने बैठी मिनी की निष्ठा के सामने उसकी ईर्ष्या, आवेश, क्रोध सब कुछ धीरे-धीरे बह गया। रह गया तो केवल सब कुछ हार जाने का विषाद।

इकाई–III

6. 'पत्नी' कहानी का प्रतिपाद्य लिखें।

7. 'गोदान' उपन्यास की समीक्षा करें।

इकाई–IV

8. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के देशकाल एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

9. 'शेखर एक जीवनी' अथवा 'स्वामी' उपन्यास के कथ्य में निहित मूल संवेदना को आलोकित करें।

इकाई–V

10. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानी में आए परिवर्तनों को विकासक्रम में समकालीन कहानी तक विवेचित करें।

11. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास की मुख्य प्रवृत्तियों का विवेचन करें जिसमें छठे, सातवें और आठवें दशक के उपन्यासों का उदाहरण निहित हो।

खण्ड–स

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई–I

12. 'पार्टिशन' कहानी की समीक्षा समसामयिक सन्दर्भ में करें।

इकाई–II

13. 'गोदान' उपन्यास किसान जीवन की संघर्ष गाथा है। विवेचित करें।

इकाई–III

14. बाणभट्ट का चरित्र विश्लेषित करें तथा उदाहरण सहित अपने कथन को सिद्ध करें।

इकाई–IV

15. शेखर के जीवन के द्वन्द्व अथवा मिनी के स्त्री जीवन के प्रेमाभिसिक्त बिन्दुओं को कथ्य के आधार पर विवेचित करें।

इकाई–V

16. हिन्दी कहानी अथवा हिन्दी उपन्यास का प्रारंभ से पाँचवें दशक के विकासक्रम को विवेचित करें।